नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जबलपुर
कार्यालय क्रमांक – 02

सरल

वार्षिक पत्रिका



वर्ष – 2023 जनवरी – दिसम्बर अंक – 04

सचिवालय कार्यालय - महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

संपादक की कलम से .....

संपादकीय



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र.2, जबलपुर की वार्षिक गृह राजभाषा पत्रिका 'सरल' के 4थे अंक को आप सभी को सौपते हुए अत्यंत खुशी हो रही है।

समिति अध्यक्ष के मार्गदर्शन, मुख्य राजभाषा अधिकारी, पश्चिम मध्य रेल की प्रेरणा एवं समस्त सदस्य कार्यालयों के सहयोग से 'सरल' पत्रिका की सुगम यात्रा निरंतर जारी रहेगी। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली के दिनांक 12.10.2015 के कार्यालय ज्ञापन 2024/13/2015 रा.भा. (का.-2) के अंतर्गत इस समिति को सौंपी गई जिम्मेदारी को पश्चिम मध्य रेल ने सफलतापूर्वक निभाया है। सदस्य कार्यालयों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करते हुए राजभाषा संबंधी गतिविधियों को न सिर्फ उनके कार्यालयों में सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया गया बल्कि समिति की नियमित बैठकों का आयोजन भी जारी है।

जैसा कि विदित है नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के गठन का मूल उद्देश्य है केन्द्रीय कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देना तथा राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के मार्ग में आने वाली कठिनाइयों को आपसी विचार विमर्श से दूर करना। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय क्रमांक 2, जबलपुर के सदस्य कार्यालयों के दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु अनुकूल वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से राजभाषा शील्ड/ट्राफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करने की परंपरा शुरू की गई ताकि अधिक से अधिक सदस्य कार्यालयों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जा सके। सदस्य कार्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों एवं उसमें राजभाषा संबंधी गतिविधियों के उल्लेख से स्पष्ट है कि हमारा उद्देश्य सफल हुआ है।

'सरल' पत्रिका के पिछले अंक में सदस्य कार्यालयों का संक्षिप्त परिचय शामिल किया गया था, इस अंक में हिंदी दिवस के अवसर पर उन कार्यालयों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया गया है।

पत्रिका को और बेहतर बनाने हेतु आपके बहुमूल्य सुझावों की प्रतीक्षा में .....



(राज रंजन श्रीवास्तव)
सचिव, नराकास कार्या. क्र.-02, जबलपुर

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

सत्यमेव जयते



प्रिय देशवासियो!

आप सब को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

भारत भाषिक विविधता का देश रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की भाषिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरोने का नाम **'हिंदी'** है। हिंदी भाषा अपनी प्रवृत्ति से ही इतनी जनतांत्रिक रही है कि इसने भारतीय भाषाओं और बोलियों के साथ–साथ कई वैश्विक भाषाओं को यथोचित सम्मान देते हुए उनकी शब्दावलियों, पदों, वाक्य विन्यासों और वैयाकरणिक नियमों को आत्मसात किया है।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया। अनेक भाषाओं और बोलियों में बँटे देश में ऐक्य भावना से पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक स्वतंत्रता की लड़ाई को आगे बढ़ाने में संवाद भाषा हिंदी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। इसीलिए, लोकमान्य तिलक हों, महात्मा गांधी हों, लाला लाजपत राय हों, नेताजी सुभाषचंद्र बोस हों, राजगोपालाचारी हों; हिंदी के शुरुआती पैरवीकारों में बहुसंख्यक उन प्रदेशों के लोग थे, जिनकी मातृभाषाएँ हिंदी नहीं थीं।

किसी भी देश की मौलिक सोच और सृजनात्मक अभिव्यक्ति सही मायनों में सिर्फ उस देश की अपनी भाषा में ही की जा सकती है। प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चन्द्र ने लिखा है कि, **"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति कौ मूल।"** यानि कि, अपनी भाषा की उन्नति ही सभी प्रकार की उन्नति का मूल है। राष्ट्र की पहचान इस बात से भी होती है कि उसने अपनी भाषा को किस सीमा तक मजबूत, व्यापक एवं समृद्ध बनाया है। यही कारण है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 343 द्वारा संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी और लिपि के रूप में देवनागरी को अपनाया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय से वैश्विक मंचों तक यथोचित सम्मान मिला है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।

अपनी भाषा में सुनी हुई अवांछनीय बातें भी बहुत बुरी नहीं लगती। कवि **विद्यापति** की शब्दावली में कहूँ तो **'देसिल बयना सब जन मिट्ठा'** यानि देशी भाषा सभी जनों को मीठी लगती है। गृह मंत्रालय का राजभाषा विभाग निरंतर प्रयत्नशील है कि शहद सामान मीठी भारतीय भाषाओं को आधुनिक तकनीक के माध्यम से अत्याधुनिक और वैज्ञानिक प्रयोग के अनुकूल उपयोगी बनाया जा सके।

सरकार और जनता के बीच भारतीय भाषाओं में संवाद स्थापित कर जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी तौर पर लागू किया जा सकता है। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र जन–जन तक उनकी ही भाषा में उनके हित की बात पहुँचाकर आदर्श लोकतंत्र के निर्माण का सबसे अच्छा उदाहरण हो सकता है। राजभाषा विभाग ने इसी उद्देश्य से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से सहज बनाने की दिशा में काम करते हुए स्मृति आधारित अनुवाद प्रणाली **'कंठस्थ'** का निर्माण और विकास किया है। फिजी में संपन्न 'विश्व हिंदी सम्मेलन' में **'न्यूरल मशीन ट्रांसलेशन'** के साथ इसके नए वर्जन (कंठस्थ 2.0) के मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण किया गया है।

राजभाषा विभाग की एक नई पहल **'हिंदी शब्द सिंधु'** शब्दकोश का निर्माण है। इस शब्दकोश में संविधान की 8वीं अनुसूची में अधिसूचित भारतीय भाषाओं के शब्दों को शामिल कर इसे निरंतर समृद्ध किया जा रहा है। साथ ही, विभाग ने **'लीला हिंदी प्रवाह'** मोबाइल ऐप भी तैयार किया है, जिसे अपनाकर विभिन्न भाषा–भाषी 14 भारतीय भाषाओं के माध्यम से अपनी–अपनी मातृभाषाओं से स्तरीय हिंदी निःशुल्क सीख सकते हैं।

भाषा परिवर्तन का सिद्धांत यह कहता है कि भाषा जटिलता से सरलता की ओर जाती है। मेरे विचार से हिंदी के सरल और सुस्पष्ट शब्दों को कार्यालयी कामकाज में प्रयोग में लाना चाहिए। टिप्पणी, पत्राचार, ई–मेल, विज्ञप्ति आदि के लिए आम बोलचाल के शब्दों व वाक्यों के प्रयोग से हिंदी के प्रयोग का चलन बढ़ेगा।

हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है। मुझे विश्वास है कि राजभाषा विभाग के उपरोक्त प्रयासों से सभी मातृभाषाओं को आत्मसात करते हुए लोकसम्मत भाषा हिंदी विज्ञानसम्मत व तकनीकसम्मत होकर संपन्न राजभाषा के रूप में स्थापित होगी।

पुनश्चः, आप सब को हिंदी दिवस की अनंत शुभकामनाएं।



नई दिल्ली,
14 सितंबर, 2023

(अमित शाह)

पश्चिम मध्य रेलवे

शोभना बंदोपाध्याय
अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र.02
एवं महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर



संदेश

मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्रमांक-2, जबलपुर अपनी वार्षिक गृह पत्रिका ''सरल'' के चौथे अंक का प्रकाशन कर रहा है। सरकारी कार्यालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के समुचित अनुपालन के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अंतर्गत गठित इस प्रकार की समितियों की प्रमुख भूमिका होती है।

प्रसन्नता की बात है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्रमांक-2, जबलपुर से जुड़े सभी सदस्य कार्यालय अपने दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अपेक्षित प्रयोग करते हैं। मुझे विश्वास है कि राजभाषा हिंदी प्रयोग-प्रसार की दिशा में ''सरल'' पत्रिका सदस्य कार्यालयों के बीच सराहनीय भूमिका निभाएगी।

मैं 'सरल' पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करती हूँ तथा प्रकाशन दल को शुभकामनाएं देती हूँ।

(शोभना बंदोपाध्याय)



पश्चिम मध्य रेलवे



रवि शंकर सक्सेना
अपर महाप्रबंधक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

संदेश

हर्ष का विषय है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्रमांक 2, जबलपुर अपनी वार्षिक गृह पत्रिका ''सरल'' के चौथे अंक का प्रकाशन कर रहा है।

सरकारी कार्यालयों में राजभाषा संबंधी संवैधानिक व्यवस्थाओं के समुचित अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए गठित राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही हैं। इनके माध्यम से सदस्य कार्यालय आपसी विचार-विमर्श द्वारा अपने कार्यालय में भारत सरकार के राजभाषा संबंधी लक्ष्यों को सरलता से प्राप्त कर सकते हैं।

'सरल' पत्रिका नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्रमांक 2, जबलपुर के सभी सदस्य कार्यालयों की राजभाषा संबंधी गतिविधियों से हमें परिचित कराती है। मुझे विश्वास है कि सभी सदस्य कार्यालयों के सहयोग से यह पत्रिका बहुपयोगी साबित होगी। मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ और संपादक मंडल को शुभकामनाएं देता हूँ।

(रविशंकर सक्सेना)



सरल वार्षिक पत्रिका

वर्ष – 2023 | जनवरी – दिसम्बर | अंक – 04

संरक्षक

शोभना बंदोपाध्याय

महाप्रबंधक, पमरे

एवं अध्यक्ष, नराकास क्र. 2, जबलपुर

❋

मार्गदर्शक

रवि शंकर सक्सेना

अपर महाप्रबंधक एवं

मुख्य राजभाषा अधिकारी, पमरे

❋

संपादन/सहयोग

महेश कुमार

उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं

उप. वित्त सलाहकार एवं मु.ले.अधि.,पमरे

❋

राज रंजन श्रीवास्तव

सचिव नराकास एवं

राजभाषा अधिकारी, पमरे

❋

राकेश कुमार मालवीय

वरिष्ठ अनुवादक

❋

सभी नराकास सदस्य कार्यालय

❋

पत्राचार का पता

संपादक

सरल

नराकास, कार्यालय क्र. 02, सह सचिवालय

इंदिरा मार्केट, जबलपुर–482001 (म.प्र.)

मोबाइल : 97524 15613 एवं

97527 84250

❋

मुद्रक : सोलार आफसेट, जबलपुर

* सीमित मात्रा में नि:शुल्क वितरण हेतु।

इस अंक में

क्रं.	शीर्षक	पृष्ठ क्रं.
1.	नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास)	01
2.	महाप्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे	02
3.	क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान ब्यूरो	03
4.	क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन	03
5.	मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे	04
6.	भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय	05
7.	केन्द्रीय विद्यालय उ.व.अ.सं., टी.एफ.आर.आई.	06
8.	भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान	07
9.	महानिदेशक लेखा परीक्षा कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे	08
10.	जम्मू एण्ड कश्मीर राईफल्स रेजीमेंटल सेंटर	09
11.	पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय, 1 एस.टी.सी.	10
12.	पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड	11
13.	पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय सी.एम.एम.	12
14.	भा.स.वि.– मध्यप्रदेश भू–स्थानिक आँकड़ा केन्द्र	13
15.	आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ	13
16.	रेल डाक सेवा, जेबी मण्डल	14
17.	नराकास कार्यालय क्र.2, सदस्य कार्यालय सूची	15–20
18.	छाया चित्र–वीथिका	21–23

हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्त्रोत है– सुमित्रानंद पंत

नगर राजभाषा कार्यान्वय समिति (नराकास)

'नराकास' का गठन : राजभाषा विभाग के दिनांक 22.11.1976 के का.ज्ञा.सं. 1/14011/12/76-रा.भा.(का-1) के अनुसार देश के उन सभी नगरों में जहां केंद्रीय सरकार के 10 या इससे अधिक कार्यालय हों, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया जा सकता है। समिति का गठन राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालयों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर भारत सरकार के सचिव (राजभाषा) की अनुमति से किया जाता है।

अध्यक्षता : इन समितियों की अध्यक्षता नगर विशेष में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि के वरिष्ठतम अधिकारियों में से किसी एक के द्वारा की जाती है। अध्यक्ष को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा नामित किया जाता है। नामित किए जाने से पूर्व प्रस्तावित अध्यक्ष से समिति की अध्यक्षता के संबंध में लिखित सहमति प्राप्त की जाती है।

सदस्यता : नगर में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालय/ उपक्रम /बैंक आदि अनिवार्य रूप से इस समिति के सदस्य होते हैं। उनके वरिष्ठतम अधिकारियों(प्रशासनिक प्रधानों) से यह अपेक्षा की जाती है कि वे समिति की बैठकों में नियमित रूप से भाग लें।

सदस्य-सचिव : समिति के सचिवालय के संचालन के लिए समिति के अध्यक्ष द्वारा अपने कार्यालय से अथवा किसी सदस्य कार्यालय से एक हिंदी विशेषज्ञ को उसकी सहमति से समिति का सदस्य-सचिव मनोनीत किया जाता है। अध्यक्ष की अनुमति से समिति के कार्यकलाप सदस्य-सचिव द्वारा संपादित किए जाते हैं ।

बैठकें : इन समितियों की वर्ष में दो बैठकें आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक समिति की बैठकें आयोजित करने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा एक कैलेंडर जारी किया जाता है जिसमें प्रत्येक समिति की बैठक हेतु एक निश्चित महीना निर्धारित किया जाता है। इन बैठकों के आयोजन संबंधी सूचना समिति के गठन के समय दी जाती है और निर्धारित महीनों में समिति को अपनी बैठकें आयोजित करनी होती हैं।

प्रतिनिधित्व : इन समितियों की बैठकों में नगर विशेष में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि के प्रशासनिक प्रधान भाग लेते हैं। राजभाषा विभाग (मुख्यालय) एवं इसके क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय के अधिकारी भी इन बैठकों में राजभाषा विभाग का प्रतिनिधित्व करते हैं। नगर स्थित केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद की शाखाओं में से किसी एक प्रतिनिधि एवं हिंदी शिक्षण योजना के किसी एक अधिकारी को भी बैठक में आमंत्रित किया जाता है।

उद्देश्य : केंद्रीय सरकार के देश भर में फैले हुए कार्यालयों/ उपक्रमों/ बैंकों आदि में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के मार्ग में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक संयुक्त मंच की आवश्यकता महसूस की गई ताकि वे मिल बैठकर सभी कार्यालय /उपक्रम/ बैंक आदि चर्चा कर सकें। फलत: नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों के गठन का निर्णय लिया गया। इन समितियों के गठन का प्रमुख उद्देश्य केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा करना, इसे बढ़ावा देना और इसके मार्ग में आई कठिनाइयों को दूर करना है ।

तुलसी मीरा सूर कबीरा घनानंद रसखान।
हिंदी सदियों से रही भारत की पहचान।

महाप्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे







पश्चिम मध्य रेलवे के विभिन्न कार्यालयों में हिंदी दिवस, राजभाषा सप्ताह / पखवाड़ा / मास का सफल आयोजन किया गया। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय में दिनांक 04.09.2023 से 14.09.023 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारी एवं कर्मचारी प्रश्न मंच, हिंदी टिप्पणी व प्रारूप लेखन, हिंदी निबंध, हिंद वाक् आदि प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में पश्चिम मध्य रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। 14 सितंबर 'हिंदी दिवस' के अवसर पर महाप्रबंधक कार्यालय सहित पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों तथा सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, भोपाल व माल डिब्बा मरम्मत काररखाना, कोटा के अलावा पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों पर माननीय रेल मंत्री एवं महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया गया।

दिनांक 29.09.2023 को पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह तथा क्षेराकास की 62 वीं तिमाही समीक्षा बैठक का आयोजन श्री रवि शंकर सक्सेना, अपर महाप्रबंधक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, पश्चिम मध्य रेलवे की अध्यक्षता एवं मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। उन्होंने वर्ष भर हिंदी का सराहनीय प्रयोग–प्रसार करने के लिए मुख्यालय के सतर्कता विभाग को 'अंतर विभागीय राजभाषा शील्ड', यांत्रिक विभाग को अंतर विभागीय राजभाषा ट्रॉफी तथा माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, कोटा को 'अंतर कारखाना राजभाषा शील्ड' प्रदान किया। साथ ही वर्ष भर हिंदी का सराहनीय एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले 23 अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान मुख्यालय की राजभाषा गृह पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के 47 वें अंक का भी विमोचन किया गया। श्री रवि शंकर सक्सेना, अपर महाप्रबंधक द्वारा दिनांक 17 अक्टूबर 2023 को आयोजित राजभाषा समारोह में राजभाषा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले 52 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री सक्सेना ने कहा कि पश्चिम मध्य रेलवे पर भारत सरकार की राजभाषा संबंधी नीतियों का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने 27 सितंबर 2023 को रेलवे बोर्ड द्वारा पश्चिम मध्य रेलवे को आचार्य महावीर प्रसाद चल वैजयंती तथा एक अधिकारी एवं एक कर्मचारी को रेल यात्रा वृतांत पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्राप्त पुरस्कार पर हर्ष व्यक्त किया।

पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय सहित जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों तथा भोपाल और कोटा कारखानों में हिंदी दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों, हास्य कवि सम्मेलनों का सफल आयोजन किया गया। राजभाषा संबंधी गतिविधियों में रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया।

हिंदी द्वारा संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है– स्वामी दयानंद

क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान ब्यूरो



गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के संदर्भ में मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र के अनुपालन में इस कार्यालय में दिनांक 18.09.2023 से 03.10.2023 तक राजभाषा पखवाड़ा का सफल आयोजन किया गया।

दिनांक 18.09.2023 को श्री पुखराज नेणिवाल, क्षेत्रीय खान नियंत्रक की अध्यक्षता में राजभाषा पखवाड़ा-2023 का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर माननीय गृह मंत्री, माननीय खान मंत्री एवं मंत्रिमंडल सचिव के हिंदी दिवस संदेश का वाचन क्रमश: श्री इब्राहिम शरीफ, उप खान नियंत्रक एवं श्री माधवराव साबरे, वरिष्ठ खनन भू -विज्ञानी द्वारा किया गया। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान, वाद-विवाद, सुलेख, निबंध लेखन, नारा लेखन, हिंदी अनुवाद, टिप्पण एवं आलेखन, भाषण तथा कविता पाठ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनमें कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

दिनांक 03.10.2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह श्री महेश कुमार, उप मुख्य वित्त सलाहकार (भारतीय रेल लेखा सेवा अधिकारी) व राज रंजन श्रीवास्तव, राजभाषा अधिकारी, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर की उपस्थिति में एवं श्री पुखराज नेणिवाल, क्षेत्रीय खान नियंत्रक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान ब्यूरो की राजभाषा गृहपत्रिका 'मेकलसुता' के द्वितीय संस्करण का विमोचन एवं कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री महेश कुमार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि इस कार्यालय में कम जनशक्ति के बावजूद राजभाषा हिंदी का कार्यान्वयन एवं प्रचार-प्रसार प्रशंसनीय है, इसकी मैं मुक्त कंठ से सराहना करता हूँ। कार्यक्रम के अंत में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती अंजली त्रिवेदी, उच्च श्रेणी लिपिक द्वारा किया गया।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

क्षेत्रीय कार्यालय, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, जबलपुर में दिनांक 14 से 29 सितंबर, 2023 तक 'राजभाषा पखवाड़ा' का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता, वाक् प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं कम्प्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कार्यालय के अधिकारियों / कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

दिनांक 29 सितंबर 2023 को 'राजभाषा पखवाड़ा' समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान आमंत्रित कविगणों ने हास्य - व्यंग्य कविता पाठ कर उपस्थित हिंदी प्रेमी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारियों द्वारा भी विविध प्रस्तुतियां दी गई।



समारोह के अंत में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता कर्मचारियों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री वी. रंगनाथ, अपर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त (म.प्र. एवं छत्तीसगढ़), भोपाल के कर कमलों से प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार राशि प्रदान की गयी।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे





श्री विवेकशील, मंडल रेल प्रबंधक, जबलपुर मण्डल के संरक्षण एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशा. एवं सामान्य) श्री प्रदीप कुमार के मार्गदर्शन में जबलपुर मंडल पर 01 सितंबर से 05 अक्टूबर, 2023 तक राजभाषा मास – 2023 मनाया गया ।06 अक्टूबर, 2023 को उमंग सामुदायिक भवन (रेलवे स्टेडियम के सामने, मंडल कार्यालय परिसर) में राजभाषा मास– 2023 का समापन तथा हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यालय के राजभाषा अधिकारी श्री राज रंजन श्रीवास्तव उपस्थित थे।

समारोह के दौरान वर्ष भर दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के सर्वाधिक एवं सराहनीय प्रयोग–प्रसार करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों, अखिल रेल हिंदी प्रतियोगिताओं (प्रथम दौर–2023) में सफल प्रतिभागियों एवं 01 सितंबर– 05 अक्टूबर 2023 तक मनाये गये राजभाषा मास के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किये गये।

इस अवसर पर आयोजित हास्य कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध हास्य कवि सर्वश्री वाहे गुरु भाटिया (मुंबई), काशीपुरी कुंदन (राजिम, छत्तीसगढ़), देवी जैन (बरेली), अंतु झकास (वारा सिवनी), डॉ. ममता मेहता (अमरावती) एवं प्रेमनारायण प्रेम (बरेली) ने हास्य–व्यंग्य काव्य पाठ कर उपस्थित श्रोताओं को मंत्र–मुग्ध कर दिया। राजभाषा मास के दौरान आयोजित अधिकारी प्रश्नमंच सहित विभिन्न कार्यक्रमों में अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा एवं परिचालन) श्री आनंद कुमार का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। उक्त मास के दौरान मंडल एवं मंडल के अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा प्रश्नमंच एवं कर्मचारी–अभिप्रेरण का आयोजन किया गया। इसके अलावा, मंडल कार्यालय में टिप्पण एवं आलेखन, हिंदी निबंध– लेखन, हिंदी शुद्धलेखन एवं हिंदी नारा लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। साथ ही दिनांक 22 सितम्बर, 2023 को मैहर रेलवे स्टेशन पर राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की 115 वीं जयंती मनाई गई।

उपर्युक्त सभी प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों में उपस्थित अधिकारियों / कर्मचारियों से अपील की गई कि वे भविष्य में भी राजभाषा के समस्त कार्यक्रमों में इसी उत्साह के साथ उपस्थित हों एवं अपने दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग कर जबलपुर मंडल को नई ऊंचाईयों पर ले जाएं। उक्त पूरे मास के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं /कार्यक्रमों को तत्कालीन राजभाषा अधिकारी श्री अरविंद पाण्डेय की निगरानी में किया गया।

हिंदी राष्ट्रीयता के मूल को सींचती है और उसे दृढ़ करती है– पुरूषोत्तम दास टंडन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय





भा.कृ.अ.प.– खरपतवार अनुसंधान निदेशालय में दिनांक 14–29 सितम्बर, 2023 तक राजभाषा पखवाड़ा–2023 का आयोजन किया गया। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान टिप्पण एवं आलेखन, तात्कालिक निबंध लेखन, हिंदी शुद्ध लेखन, कम्प्यूटर में यूनिकोड पर टाइपिंग, अंताक्षरी, प्रश्न मंच प्रतियोगिता एवं वाद–विवाद आदि प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया।

दिनांक 29 सितम्बर 2023 को राजभाषा पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह डॉ.एस.पी. तिवारी, कुलपति, नानाजी देशमुख पशु विज्ञान वि.वि., जबलपुर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के प्रभारी श्री बसंत मिश्रा ने सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों का स्वागत किया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. तिवारी, निदेशालय के निदेशक डॉ. जे.एस.मिश्र, डॉ.पी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक व सह अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं श्री बसंत मिश्रा, प्रभारी राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया।

मुख्य अतिथि डॉ. एस.पी. तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'संसार का कोई भी देश अपनी भाषा की अवहेलना करके प्रगति नहीं कर सकता है। भाषा में अद्भुत शक्ति होती है यह हमें एक –दूसरे से जोड़ती है। भाषा मात्र एक भाषा नहीं होती वह समाज, संस्कृति, इतिहास, राष्ट्र की अस्मिता और उसके भावी लक्ष्यों की अभिव्यक्ति का माध्यम भी होती है।' उन्होंने आगे कहा कि मुझे यह जानकर बड़ी खुशी हुई कि यह एक अनुसंधान संस्थान है फिर भी सभी वैज्ञानिक व अधिकारी अपनी–अपनी योग्यता के आधार पर राजभाषा हिंदी में कार्य कर रहे हैं और राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने में रुचि ले रहे हैं। यह सराहनीय कदम है। इसके लिए मैं सभी को बधाई देता हूँ।

डॉ.जे. एस. मिश्र, निदेशक, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'हिंदी सभी भाषाओं की सहोदरा है। इसमें सभी भाषाओं को समाहित करने की अपार शक्ति निहित है। हिंदी भाषा में ऊंच–नीच का भाव नहीं है।' अत: जितना संभव हो सके हमें सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी भाषा का प्रयोग करना चाहिए एवं हिंदी में कार्य करते समय गर्व महसूस करना चाहिए। आज हिंदी विश्व के लगभग हर कोने में बोली जाने लगी है एवं विदेशी लोग भी हिंदी सीखने के प्रयासरत हैं। भारत सरकार द्वारा अनेकों संस्थान मात्र राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए संचालित किये जा रहे हैं जहां बड़ी संख्या में लोग हिंदी प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।

डॉ. पी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक व सह अध्यक्ष राजभाषा कार्यान्वयन समिति, खरपतवार अनुसंधान निदेशालय ने कहा कि आज विश्व के अधिकतर देशों में हिंदी भाषा को सम्मान मिल रहा हैं। चूंकि आज भारत विश्व में एक बड़ा व्यापार का केंद्र बना हुआ है इसलिए विश्व के तमाम देश भारत में व्यापार करने के लिए हिंदी को सीख रहे हैं। हमारा निदेशालय कृषकों के बीच विभिन्न खरपतवार प्रबंधन तकनीकियों का प्रचार–प्रसार राजभाषा हिंदी के माध्यम से कर रहा है ।

देवनागरी ध्वनि शास्त्र की दृष्टि से अत्यंत वैज्ञानिक लिपि है– रविशंकर शुक्ल

केंद्रीय विद्यालय उ.व.अ.सं., टी.एफ.आर.आई.





दिनांक 01 सितम्बर 2023 को 'राजभाषा पखवाड़ा 2023' का शुभारम्भ विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रवीण नायडू के कर कमलों से दीप प्रज्जवलन एवं मां सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। श्रीमती सविता कुमारी (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका, हिंदी) ने अपने स्वागत भाषण में राजभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य श्री नायडू ने अपने उद्बोधन में 'राजभाषा हिंदी' के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डाला तथा छात्रों/कर्मचारियों को राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने का आह्वान किया। पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोतगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें बच्चों एवं विद्यालय के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी गहरी निष्ठा एवं रुचि को प्रदर्शित किया।

राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं/कर्मचारियों को प्राचार्य श्री प्रवीण नायडू के कर कमलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

राजभाषा पखवाड़ा कार्यक्रम

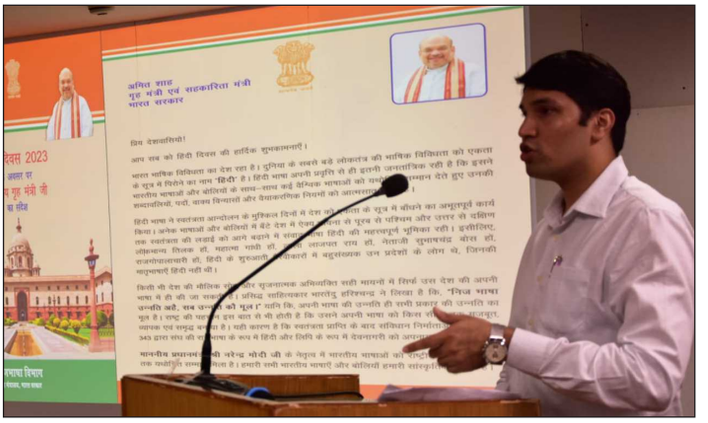
1.09.2023	उद्घाटन, विशेष कार्यक्रम (परिचर्चा) हिन्दी का महत्व, हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा।
2.09.2023	सुलेख प्रतियोगिता।
4.09.2023	कहानी लेखन प्रतियोगिता।
5.09.2023	श्रुतलेख।
6.09.2023	काव्य पाठ प्रतियोगिता (अंतर्सदनीय)।
8.09.2023	हिन्दी पुस्तकों की प्रदर्शिनी
12.09.2023	सुलेख प्रतियोगिता (स्टाफ द्वारा)।
13.09.2023	निबंध लेखन प्रतियोगिता- आज के परिवेश में हिन्दी की महत्ता
14.09.2023	नारा लेखन प्रतियोगिता।
15.09.2023	हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह तथा पुरस्कार वितरण समारोह।

राजभाषा- सरकारी कामकाज में उपयोग की जाने वाली भाषा अर्थात् राजकाज की भाषा को राजभाषा कहते हैं। देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी भारत संघ की राजभाषा है ।

राष्ट्रभाषा- किसी भी देश के बहुसंख्यक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा को राष्ट्र भाषा कहते है, हिंदी भारत की राष्ट्र भाषा है। कोई भी भाषा अपने महत्व के कारण किसी राष्ट्र के विस्तृत भू-भाग द्वारा अपना ली जाती है तो वह भाषा स्वत: ही उस राष्ट्र की राष्ट्र भाषा बन जाती है। पूरे भारत में आपको हिंदी बोलने और समझने वाले लोग मिल जाएंगे।

भा.वा.अ.शि.प. - उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान





भा.वा.अ.शि.प.–उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में हिन्दी दिवस का शुभारंभ 14 –15 सितंबर, 2023 को माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉप्लैक्स बालेवाड़ी पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित हिन्दी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के साथ हुआ । 14 सितंबर हिन्दी दिवस के अवसर पर डॉ. हरीश सिंह गिनवाल निदेशक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की उपस्थिति एवं अध्यक्षता में संस्थान के विस्तार भवन कक्ष में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी का सीधा संदेश प्रसारित किया गया।

इस अवसर पर महानिदेशक, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग, निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून द्वारा संसूचित सचिव, भारत सरकार, गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी अ.शा.पत्र संख्या 11034/06/2023–राजभाषा (नीति) दिनांक 01 जून, 2023 मद 5 के अनुपालन में 14–15 सितंबर, 2023 को श्री शिव छत्रपति स्पोर्टस कॉप्लैक्स बालेवाडी, पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित हुए हिन्दी दिवस समारोह–2023 एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में संस्थान की ओर से श्री विजय कुमार डी. काम्बले, सहायक निदेशक (राजभाषा) को मनोनीत कर प्रतिभागिता सुनिश्चित की गयी ।

जबलपुर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्रमांक–2 द्वारा संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन एवं राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में दिये गये सुझावों पर संस्थान स्तर पर अमल किया गया । इसी क्रम में 27 जुलाई , 2023 को आयोजित नराकास कार्यालय क्रमांक– 2 की 12 वीं छः माही बैठक में संस्थान की ओर से श्री विजय कुमार डी. काम्बले, सहा–निदेशक राजभाषा ने भाग लिया । बैठक के दौरान श्री सुधीर कुमार गुप्ता, तत्कालीन अध्यक्ष, नराकास कार्यालय क्रमांक–2 एवं महाप्रबंधक पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के कर कमलों से टीएफआरआई द्वारा प्रकाशित टीएफआरआई मासिक समाचार पत्र का विमोचन किया गया।

संस्थान में दिनांक 14 से 29 सितंबर,2023 तक डॉ. हरीश सिंह गिनवाल, निदेशक टीएफआरआई की अध्यक्षता में राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया। दिनांक 21 सितंबर से 29 सितंबर तक संस्थान में कार्यरत अधिकारी, पदाधिकारी एवं शोधछात्रों हेतु राजभाषा हिन्दी की विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई ।श्री हीरा लाल असाटी, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एवं संपर्क अधिकारी ने हिन्दी प्रतियोगिताओं के आयोजन में अपनी सक्रिय भूमिका अदा की। हिन्दी प्रतियोगिताओं में पदाधिकारियों एवं शोध छात्र वर्ग ने बढ़–चढकर भाग लिया । 29 सितंबर, 2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । समारोह के दौरान डॉ. हरीश सिंह गिनवाल और श्रीमती नीलू सिंह समूह समन्वयक (अनुसंधान) के करकमलों से हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार, एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर संस्थान के शासकीय कामकाज में राजभाषा हिन्दी का अधिकाधिक प्रयोग बढ़ाने हेतु निर्देश दिये गये ।

समारोह के अंत में श्री दर्शन गट्टानी, भा.व.से.,उप संरक्षक (प्रशासन) द्वारा समारोह में उपस्थित वैज्ञानिक, पदाधिकारी, शोध छात्र एवं संस्थान में संचालित विविध परियोजनाओं में कार्यरत क्षेत्र सहायक वर्ग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।

आधुनिक भाषाओं के हार की मध्यमणि हिंदी भारत भारती होकर विराजती रहे। – गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर

महानिदेशक, लेखा परीक्षा कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे





महानिदेशक, लेखा परीक्षा कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के मुख्यालय कार्यालय तथा तीनों मंडल कार्यालयों (जबलपुर, कोटा एवं भोपाल) में दिनांक 14 से 29 सितम्बर 2023 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया । मुख्यालय कार्यालय तथा मंडल कार्यालय, जबलपुर में राजभाषा पखवाड़ा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यालय के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए, अपना समस्त दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में संपन्न करने का संकल्प लिया तथा राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

राजभाषा पखवाड़ा-2023 के दौरान हिंदी निबंध, तात्कालिक भाषण, हिंदी टिप्पण एवं अनुवाद प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया जिनमें निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गये ।

अधिकारी/कर्मचारी का नाम व पदनाम	यूनिट/अनुभाग	प्रतियोगिता में प्राप्त स्थान
निबंध प्रतियोगिता		
श्री राहुल कुमार, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	निरीक्षण मुख्या.	प्रथम
ज्ञानेंद्र कुमार द्विवेदी, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	निरीक्षण मुख्या.	द्वितीय
श्री जितेंद्र कुमार सिंह, सहा. ले. प. अधिकारी	समन्वय अनुभाग	तृतीय
तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता		
श्री राहुल कुमार, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	निरीक्षण मुख्या.	प्रथम
श्री त्रिवेणी संगम, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	मंडल कार्यालय	द्वितीय
श्री संजय सिंह, सहा. ले. प. अधिकारी	यातायात निरीक्षण	तृतीय
हिंदी टिप्पण व अनुवाद प्रतियोगिता		
श्री उमेश चन्द्र पाण्डे, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	प्रतिवेदन अनुभाग	प्रथम
श्री राहुल कुमार, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	निरीक्षण मुख्या.	द्वितीय
श्री ओम प्रकाश शर्मा, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	बुकिंग अनुभाग	तृतीय

एकल/अनुभाग स्तर पर इस वर्ष -2023 के दौरान यातायात निरीक्षण अनुभाग को राजभाषा हिंदी का सर्वाधिक एवं उल्लेखनीय कार्य करने के लिए राजभाषा चल शील्ड प्रदान की गई तथा व्यतिगत स्तर पर भी यातायात निरीक्षण अनुभाग के श्री शशि शेखर झा, पर्यवेक्षक को हिंदी में सर्वाधिक एवं प्रशंसनीय कार्य करने के लिए राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया।

हिंदी हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक व्यवहार में आने वाली भाषा है- राहुल सांस्कृत्यायन

जम्मू एवं कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर



प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी दिवस के अवसर पर जवानों के बीच राजभाषा हिंदी के महत्व और व्यापक प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने हेतु मानव संसाधन विकास केन्द्र, जम्मू एवं कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर, द्वारा दिनांक 14 एवं 15 सितंबर 2023 तक कटोच एजुकेशन ब्लॉक में निम्नलिखित प्रतियोगितायें आयोजित की गई : -

(क) निबंध लेखन एवं कविता पाठ प्रतियोगिता- दिनांक 14 सितम्बर 2023 को निबंध लेखन प्रतियोगिता और कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिनमें 08-08 जवानों ने भाग लिया ।

निर्णायक मंडल :-

(i) पीठासीन अधिकारी, मोहित निगम, शिक्षा अधिकारी, शिक्षा शाखा ।

(ii) सदस्य (1)नायब सूबेदार, विकास तोमर, रिकार्ड्स जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर

(2) सूबेदार, के .एन. जोशी, प्रशिक्षण बटालियन जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर।

प्रतियोगिता परिणाम :-

निबंध लेखन प्रतियोगिता:-

(i) प्रथम पुरस्कार -नायक, कमलदीप सिंह, ट्रेनिंग सेल।

(ii) द्वितीय पुरस्कार-राईफलमेन, रोहितास ट्रेनिंग बटालियन।

(iii) तृतीय पुरस्कार -हवलदार, रामप्रकाश, ट्रेनिंग सेल।

कविता पाठ प्रतियोगिता :-

(i) प्रथम पुरस्कार-राईफलमेन, हिमालय सिंह, एडम बटालियन ।

(ii) द्वितीय पुरस्कार-हवलदार, संदीप कुमार, रिकार्ड्स।

(iii) तृतीय पुरस्कार-नायक, तारीफ खान, रिकार्ड्स ।

(ख) सुलेख एवं त्वरित भाषण प्रतियोगिता :- दिनांक 15 सितम्बर 2023 को सुलेख एवं त्वरित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिनमें 16-16 जवानों ने हिस्सा लिया ।

निर्णायक मंडल :-

(i) पीठासीन अधिकारी-मेजर, विजय चौधरी, अभिलेख अधिकारी, अभिलेख कार्यालय, जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर

(ii) सदस्य (1)सूबेदार, के.एन. जोशी, प्रशिक्षण बटालियन, (2) नायब सूबेदार, जलील मिया, शिक्षा शाखा

प्रतियोगिता परिणाम :- सुलेख प्रतियोगिता

(i) प्रथम पुरस्कार-नायक, विशाल मन्हास, ट्रेनिंग सेल

(ii) द्वितीय पुरस्कार-नायक, जावेद, ट्रेनिंग सेल

(iii) तृतीय पुरस्कार-नायक, लिपिक, रोहित सिंह, रिकार्ड्स

त्वरित भाषण प्रतियोगिता

(i) प्रथम पुरस्कार-हवलदार, लिपिक, डी के मंडल, रिकार्ड्स

(ii) द्वितीय पुरस्कार-लॉंस हवलदार, अतहर मलिक, ट्रेनिंग बटालियन

(iii) तृतीय पुरस्कार-नायक, लिपिक, रोहित सिंह-रिकार्ड्स

2. पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह :- दिनांक 16 सितम्बर 2023 को मुख्य अतिथि कर्नल अनिल देव स्वामी, विशिष्ट सेवा मैडल, डिप्टी कमाडेंट और मुख्य प्रशिक्षक, जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर, जबलपुर की उपस्थिति में राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता जवानों को मुख्य अतिथि महोदय के कर कमलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उद्बोधन में राजभाषा हिन्दी के महत्व और इसके कार्यालीन उपयोग पर प्रकाश डाला तथा दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी के व्यापक प्रयोग-प्रसार के लिए प्रोत्साहित किया।

आप जिस तरह बोलते हैं, बातचीत करते है, उसी तरह लिखा भी कीजिए, भाषा बनावटी नहीं होनी चाहिए- महावीर प्रसाद द्विवेदी

पी.एम.श्री केन्द्रीय विद्यालय,1 एस.टी.सी.





केन्द्रीय विद्यालय,1 एस.टी.सी., जबलपुर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के निर्देशन में दिनांक 14/9/2023 से 30/9/2023 तक 'राजभाषा पखवाड़ा 2023' का आयोजन किया गया। 14 सितंबर 2023 को विद्यालय के प्राचार्य श्री फणि भूषण पाण्डेय, उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार द्विवेदी एवं मुख्याध्यापक श्री संदीप पाण्डेय द्वारा 'राजभाषा पखवाड़ा' मनाये जाने की विधिवत घोषणा की गई ।

इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन किया गया। तदपश्चात् राजभाषा संयोजिका श्रीमती सुनीता केशर द्वारा 'राजभाषा पखवाड़ा' के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं की जानकारी दी गई। इस अवसर पर समस्त विभागाध्यक्षों से अपील की गई कि समस्त आदेश व सूचनाएँ हिंदी में जारी की जाये। उपस्थिति पंजिका में हिंदी में हस्ताक्षर करें ताकि हिंदीमय वातावरण निर्मित करने में सभी का सार्थक योगदान रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें समस्त दैनन्दिन कार्य राजभाषा हिंदी में ही करना चाहिए। राजभाषा हिंदी का विकास व प्रचार-प्रसार में योगदान देना हम सभी का संविधानिक दायित्व है।

राजभाषा पखवाड़ा के दौरान सभी शिक्षकों व बच्चों ने अति उत्साहपूर्वक सभी प्रतियोगिताओं को संचालित करने में अहम भूमिका अदा की । प्रतिदिन विद्यालय में राजभाषा विभाग के समस्त सदस्यों द्वारा राजभाषा पखवाड़ा से संबंधित कार्यक्रम, सूचनाएँ प्रेषित की गई। पुस्तकालयाध्यक्ष श्री रूपेश मौर्य द्वारा हिंदी के श्रेष्ठ व उत्कृष्ट साहित्यकारों की प्रसिद्ध पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई । छात्र/ छात्राओं ने पुस्तकों का पठन कर ज्ञान अर्जित किया एवं पुस्तकों से परिचित हुए।

हिंदी की विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांकवार चार समूह वर्ग में किया गया । प्राथमिक विभाग में श्रीमती दरक्शा हक के निर्देशन में हिंदी काव्य पाठ, बहुरूप पोशाक, चित्रकला, नारा लेखन, सुलेख एवं एकल गान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । इसी प्रकार माध्यमिक व उच्चतर विभाग में चित्रकला, सुलेख, नारा लेखन, कविता-पाठ, कवि-दरबार, एकल गान, प्रश्नोत्तरी एवं भाषण प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं को संचालित करने में श्रीमती सुनीता केशर, श्रीमती ममता द्विवेदी, श्री हेमचंद राय, श्री जयप्रकाश राजभर, श्रीमती आज्ञा कौर, श्री राजनसिंह परिहार, श्री अतुल श्रीवास्तव, श्रीमती लीना जैन, श्रीमती आशा जैन एवं श्री रूपेश मौर्य आदि शिक्षकों ने सक्रिय भूमिका अदा की।

राजभाषा पखवाड़ा के दौरान प्रतिदिन प्रात: कालीन प्रार्थना सभा में छात्रों द्वारा हिन्दी में सुविचार, प्रेरक संदेश,भाषण, कवितायें प्रस्तुत किए जाते रहे। जिनकी सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। विद्यालय के शिक्षकों तथा कर्मचारियों हेतु हिंदी कार्यशाला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिनमें विद्यालय के शिक्षकों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। हिंदी के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से ऑनलाइन हिंदी बोध प्रश्नोत्तरी का सफल आयोजन पुस्तकालयाध्यक्ष श्री रूपेश कुमार मौर्य द्वारा किया गया एवं ई प्रमाण-पत्र वितरित किए ।

दिनांक 30-09-2023 को प्राचार्य श्री फणि भूषण पांडेय एवं उप-प्राचार्य श्री संतोष कुमार द्विवेदी,मुख्याध्यापक श्री संदीप पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं कुशल निर्देशन में राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न हुआ । समारोह में मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य श्री फणि भूषण पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि-' यदि आप दृढ़ संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेंगे तो अवश्य कामयाबी मिलेगी । हमें राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर विशेष बल देना होगा ताकि राजभाषा नीति के अनुपालन को गति मिल सके।' कार्यक्रम के अंत में विजेता छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों को मुख्य अतिथि के करकमलों से प्रमाण पत्र एवं परितोषिक से सम्मानित किया गया।

हिंदी के विरोध का कोई भी आंदोलन राष्ट्र की प्रगति में बाधक है- सुभाष चंद्र बोस

पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड





पावर ग्रिड जबलपुर उपकेंद्र में दिनांक 15 सितम्बर से 29 सितम्बर तक राजभाषा पखवाड़ा–2023 का आयोजन किया गया। इस दौरान पावरग्रिड के कर्मचारियों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी, जिनमें सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

दिनांक 15.09.2023 को श्री राजेंद्र गुप्ता (महाप्रबंधक, जबलपुर) एवं श्री कुमार राहुल (उप महाप्रबंधक, जबलपुर) के मार्गदर्शन में राजभाषा पखवाड़ा 2023 का शुभारंभ किया गया । इस दौरान माननीय गृहमंत्री, माननीय विद्युत मंत्री, भारत सरकार का हिंदी दिवस संदेश सभी के साथ साझा किया गया । इसके साथ ही माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री के. श्रीकांत जी की ओर से सभी कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने हेतु भेजी गयी अपील पर राजभाषा हिंदी में काम करने का संकल्प लिया गया ।

दिनांक 16.09.2023 को राजभाषा नियम, अधिनियम और वार्षिक कार्यक्रम में उल्लेखित प्रावधानों का पालन करने एवं राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु संकल्प लिया गया ।

दिनांक 18.09.2023 को हिंदी भाषी कर्मचारियेां हेतु शुद्ध हिंदी आलेख प्रतियोगिता एवं दिनांक 19.09.2023 को हिंदीतर भाषी कर्मचारियों हेतु शुद्ध आलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । 21.09.2023 को कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के बच्चों हेतु पेंटिंग एवं ड्रॉइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 20 बच्चों ने भाग लिया। 22.09.2023 को ऑनलाइन हिन्दी/ सामान्य ज्ञान प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस प्रतियोगिता में राजभाषा हिंदी से संबंधित अधिनियम, नियम, मुहावरे, शब्दावली, हिंदी भाषा के इतिहास आदि के बारे में प्रश्न पूछे गए। दिनांक 22.09.2023 को पावरग्रिड जबलपुर परिवार की सभी महिलाओं हेतु हिन्दी/ सामान्य ज्ञान प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गयी, इस प्रतियोगिता में हिन्दी ज्ञान /मुहावरे /लोकोक्तियाँ, अनुवाद , शुद्ध /अशुद्ध शब्द बनाना /संधि –विच्छेद ,विलोम एवं पयार्यवाची शब्द आदि से संबंधित प्रश्न पूछे गए । दिनांक 26.09.2023 को कक्षा 06 से ऊपर के बच्चों हेतु हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमेँ कुल 06 बच्चों ने भाग लिया। 'हिंदी भाषा का वैश्विक स्तर पर उपयोग' विषय पर हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में,सरस्वती शिशु मंदिर, जबलपुर की हिंदी विषय की शिक्षिका को आमंत्रित किया गया ।

दिनांक 29.09.2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, समारोह के दौरान श्री राजेंद्र गुप्ता (महाप्रबंधक ,जबलपुर) ने राजभाषा हिंदी के कार्यालयीन उपयोग एवं इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला ।

श्री कुमार राहुल (उप महाप्रबंधक, जबलपुर) ने हिंदी भाषा की सरलता एवं इसकी सुगमता के बारे में सभी कर्मचारियों को बताया और 'हिंदी में काम करना आसान है' इस स्लोगन के साथ सभी का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि के कर कमलों से सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं निर्णायक को स्मृति चिन्ह भेंट किये गये।

हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

पी.एम.श्री केंद्रीय विद्यालय सी.एम.एम.





दिनांक 14 .09.2023 से 28 .09.2023 तक केंद्रीय विद्यालय सी.एम.एम. जबलपुर में हिंदी पखवाड़ा पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। दिनांक 14.09.2023 को कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरानुसार दीप प्रज्ज्वलन के साथ वरिष्ठम शिक्षक एवं कार्यवाहक प्राचार्य, श्री एन.के. पचौरी, केन्द्रीय विद्यालय सीएमएम, जबलपुर के करकमलों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में विभिन्न शिक्षक–शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों द्वारा ओजस्विता पूर्ण काव्य –वाचन रहा। जिसमें श्रीमती सरोज कायन्दे, बाल वाटिका शिक्षिका, श्रीमती उषा रानी तोमर, प्राथमिक शिक्षिका, श्रीमती दीक्षा सेन, परामर्श शिक्षिका द्वारा कविताओं का स्वर वचन किया गया और छात्रों को हिंदी भाषा हेतु प्रेरित किया गया। प्राचार्य महोदय ने सरल शब्दों में सभी प्रस्तुतियों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान प्रत्येक दिन अलग–अलग गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें नारा–लेखन, कथा वाचन, आशुभाषण, सुलेख अंग्रेजी–हिंदी शब्दों का अनुवाद प्रतियोगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आदि शामिल थीं। प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च स्तर के सभी विद्यार्थियों ने सभी प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। कथा वाचन एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता में हर्षिता तिवारी, कक्षा 11, काकुल शर्मा 12 एवं संजना विश्वकर्मा कक्षा 12 ने पुरस्कार प्राप्त किया।

दिनांक 28.09.2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर श्रीमती अर्चना नेमा, कला शिक्षिका ने स्वरचित कविता पाठ कर सबका मन मोह लिया। समारोह में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार प्राप्त विजेता विद्यार्थियों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। प्रभारी प्राचार्य श्री एन.के. पचौरी ने संबोधित करते हुए सम्पूर्ण भारत में हिंदी भाषा को गौरव और महत्व प्राप्त हो, ऐसी कामना की तथा सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाया और समापन–समारोह के सफल आयोजन हेतु विद्यालय–परिवार को बधाई देते हुए सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उक्त कार्यक्रमों के आयोजन में मंच से श्रीमती अनिका मलिक, श्रीमती प्रियदर्शिनी, श्रीमती सोनी दुबे व श्री मनीष रैकवार ने अपना अमूल्य योगदान दिया।

सामान्य आदेश की परिभाषा

1. ऐसे सभी आदेश, निर्णय या अनुदेश जो विभागीय प्रयोग के लिए हों और जो स्थाई प्रकार के हों।
2. ऐसे सभी आदेश, अनुदेश, पत्र, ज्ञापन, नोटिस आदि जो सरकारी कर्मचारियों के समूह अथवा समूहों के संबंध में या उनके लिए हों।
3. ऐसे सभी परिपत्र जो विभागीय प्रयोग के लिए हों या सरकारी कर्मचारियों के लिए हों। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन सामान्य आदेश कहलाते हैं।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग : मध्यप्रदेश भू-स्थानिक आँकड़ा केन्द्र





भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के आदेशानुसार इस कार्यालय में दिनांक 01.09.2023 से 14.09.2023 तक राजभाषा पखवाड़ा –2023 का सफल आयोजन किया गया। राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ निदेशक महोदय के करकमलों से दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। साथ ही राजभाषा पखवाड़ा से संबंधित पोस्टर/बैनर कार्यालय के मुख्य द्वार पर लगवाये गये। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगितायें जैसे– हिन्दी कविता/श्रुति लेखन/शुद्ध लेखन (केवल एम.टी.एस. के लिए)/टंकन प्रतियोगिता /तस्वीर देखकर निबंध लेखन / वाक् प्रतियोगिता/एक अक्षर से शब्द रचना, टिप्पण एवं आलेखन, नारा प्रतियोगिता इत्यादि प्रतियोगितायें आयोजित की गई, इन प्रतियोगिताओं में कार्यालय के अधिकारियों / कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर प्रतिभागिता की।

दिनांक 14.09.2023 को राजभाषा पखवाड़ा के समापन अवसर पर इस कार्यालय की राजभाषा पत्रिका 'धरोहर' के ई–संस्करण का विमोचन तथा प्रतियोगिताओं में विजेता कर्मचारियों को श्री धीरज शाह, निदेशक, म.प्र. भूस्थानिक आंकड़ा केन्द्र के कर कमलों से पुरस्कार प्रदान किये गये। इस प्रकार इस कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा – 2023 का सफल आयोजन किया गया।

आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ

आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर में दिनांक 14–09–2023 से 29–09–2023 तक राजभाषा पखवाड़ा –2023 का सफल आयोजन किया गया । राजभाषा पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यालय के सभी कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

दिनांक 14 सितंबर को राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलन कर श्री ओ. पी. कांत, माननीय लेखा सदस्य महोदय के कर कमलों द्वारा किया गया। श्री ओ.पी. कांत, माननीय लेखा सदस्य महोदय ने अपने संबोधन में राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपना अधिकतम सरकारी कार्य राजभाषा हिन्दी में संपादित करने को कहा और कार्यालय में संचालित हिंदी पुस्तकालय से हिन्दी किताबें पढ़कर हिन्दी का ज्ञान बढ़ाने की सलाह दी। साथ ही राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों/प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर राजभाषा पखवाड़े को सफल बनाने की अपील की।

पुरस्कार वितरण समारोह :–

राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 03.10.2023 को अपरान्ह 4:30 बजे संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किये गये। श्री दिलीप कुमार कोष्टा, उ.श्रे.लि. ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया ।

हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है– मौलाना हसरत मोहानी

रेल डाक सेवा जेबी मण्डल





दिनांक 14/09/2023 से 29/09/2023 तक संभागीय कार्यालय, रेल डाक सेवा जेबी मण्डल, जबलपुर में राजभाषा पखवाड़ा–2023 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान सुलेख प्रतियोतगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता, तत्कालीन भाषण, हिंदी–अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। उक्त आयोजन के माध्यम से शासकीय कामकाज में राजभाषा हिन्दी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग किये जाने हेतु समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया गया है।

दिनांक 29.09.2023 को राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह के अवसर पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक 'जुलाई–2023 से सितंबर 2023' का भी आयोजन किया गया जिसमें श्री राज रंजन श्रीवास्तव, सचिव–नराकास उपस्थित थे। इस अवसर पर अधीक्षक, रेल डाक सेवा जेबी मण्डल जबलपुर, सहायक अधीक्षक (दौरा), कार्यालय पर्ववेक्षक एवं समस्त कार्यालय सहायक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान श्री श्रीवास्तव जी ने निम्नलिखित मदों पर अपने विचार साझा किये एवं समस्त कर्मचारियों को निम्नानुसार निर्देशित किया गया :–

1. 'क' और 'ख' क्षेत्रों की केंद्र / राज्य सरकारों को भेजे जाने वाले पत्र आदि हिन्दी में बनाये जाएं।
2. समस्त पत्राचार राजभाषा हिन्दी में किया जाये।
3. सामान्य आदेश, ज्ञापन, परिपत्र, निविदा सूचना, अधिसूचना, करार, सविंदा, आदि दस्तावेज़ समान्यत: द्विभाषी अथवा हिन्दी में ही जारी किये जाएं।
4. अपने अधीनस्थ कार्यालयों/अन्य कार्यालयों से प्राप्त अंग्रेजी पत्रों के उत्तर भी हिन्दी में दिये जाएं।
5. फ़ाइलों पर शीर्षक एवं टिप्पणी हिंदी में लिखी जाये।
6. लिफाफों पर पते हिन्दी में लिखे जाएं एवं निरीक्षण रिपोर्ट, दैनिक डायरी एवं बैठकों की कार्यसूची तथा कार्यवृत हिन्दी में ही तैयार किये जाएं।
7. सेवा पुस्तिकाओं में प्रविष्टियाँ हिन्दी में की जाये।
8. रबर की सील/मुहर, नामपट्ट, साइनबोर्ड, बैनर आदि द्विभाषी रूप में बनाई जाये।
9. समस्त अनुशासनिक कार्यवाही हिन्दी में की जाये।
10. सोशल मीडिया पर दी जाने वाली विभाग से संबंधित जानकारी / उपलब्धियां हिन्दी में दी जाये।

समारोह के अंत में श्री राज रंजन श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'हिंदी हमारी राजभाषा है और राजभाषा हिंदी में कार्य करना हमारा नैतिक ही नहीं वरन् संवैधानिक दायित्व भी है।'

इस प्रकार इस कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा का सफल आयोजन किया गया।

समस्त भारतीय भाषाओं के लिए यदि कोई एक लिपि आवश्यक हो तो वह देवनागरी ही हो सकती है– जस्टिस कृष्णस्वामी अय्यर

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

01	कार्यालय का नाम	: महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: महाप्रबंधक
	कार्यालय का पता	: इंदिरा मार्केट, जबलपुर- 482001
	ई-मेल	: rbawcrhq@gmail.com (सचिव, नराकास)
	मोबाइल	: 9752415613 (सचिव, नराकास)
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 207
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 1045
02	कार्यालय का नाम	: मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय जबलपुर, पमरे
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री विवेकशील
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: मंडल रेल प्रबंधक
	कार्यालय का पता	: मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय रेलवे स्टेडियम के पास,जबलपुर-482001
	ई-मेल	: drmjbpwcr@gmail.com
	दूरभाष	: 0761-2678080
	मोबाइल	: 9752418000
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 63
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 814
03	कार्यालय का नाम	: कार्यालय, महानिदेशक लेखा परीक्षा पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री रविन्द्र पत्तार,(आई.ए.ए.एस.)
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: महानिदेशक
	कार्यालय का पता	: एनेक्स -II, तीसरी मंजिल, प्लेटफार्म नं. 6, रेलवे स्टेशन, जबलपुर-482001
	ई-मेल	: pdarlywcr@cag.gov.in
	दूरभाष	: 0761-2621075
	मोबाइल	: 0761-2623794
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 51
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 54
04	कार्यालय का नाम	: भा.कृ. अनु. प.-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: डॉ. जे.एस. मिश्र
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: निदेशक
	कार्यालय का पता	: महाराजपुर, अधारताल, जबलपुर, 482004
	ई-मेल	: director.weed@icar.gov.in
	दूरभाष	: 0761-2353001, 2353934
	मोबाइल	: 8409899897
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 37
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 26
05	कार्यालय का नाम-	: भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, टीएफआरआई
	कार्यालय प्रमुख का नाम-	: डॉ. हरीश सिंह गिनवाल
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: निदेशक
	कार्यालय का पता	: पो.आ. आर.एफ.आर.सी. मंडला रोड, जबलपुर - 482021
	ई-मेल	: dir-tfri@icfre.org,
	दूरभाष	: 0761-2840483
	मोबाइल	: 9412413158
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 60
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 83
06	कार्यालय का नाम	: महाप्रबंधक (मध्य-पश्चिम), गुणवत्ता आश्वासन एवं निरीक्षण परिमंडल, बीएसएनएल, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री हरि नारायण
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: महाप्रबंधक
	कार्यालय का पता	: गुणवत्ता आश्वासन एवं निरीक्षण परिमंडल, बीएसएनएल संचार विकास भवन, रेसीडेंसी रोड, जबलपुर, 482001
	ई-मेल	: hari.narayan@bsnl.co.in
	दूरभाष	: 0761-2621100
	मोबाइल	: 9869450606
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 16
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 10
07	कार्यालय का नाम-	: पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम-	: श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: महाप्रबंधक
	कार्यालय का पता	: 400/220 के. व्ही. पावरग्रिड उपकेंद्र, सूखा गांव,पाटन बाईपास जबलपुर-482002
	ईमेल	: jabalpurpoolingss@powergrid.co.in
	दूरभाष	: 93010 57011
	मोबाइल	: 9111103692
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 13
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 34
08	कार्यालय का नाम	: भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्र प्रादेशिक केन्द्र, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: डॉ. पंकज सरूप भटनागर
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: वैज्ञानिक - ई
	कार्यालय का पता	: स्कीम नं. 5, प्लाट नं. 168-169, विजय नगर, जबलपुर, 482002
	ई-मेल	: zsiczrcjabalpur@gmail.com
	दूरभाष	: 0761-2641792
	मोबाइल	: 9403769408
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 5
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 14

राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है इस पर संपूर्ण देश का अधिकार है- सरदार वल्लभ भाई पटेल

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

09	कार्यालय का नाम	: मध्य प्रदेश भू-स्थानिक आंकड़ा केन्द्र
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री धीरज शाह
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: निदेशक
	कार्यालय का पता	: एस.बी.आई. चौक, विजय नगर, जबलपुर- 482002
	ई-मेल	: mp.gdc.soi@gov.in
	दूरभाष	: 0761-2647366
	मोबाइल	: 7579189079
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 24
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 90
10	कार्यालय का नाम	: 1, एस.टी.सी. (सिगनल एवं प्रशिक्षण केन्द्र
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: लेफ्टिनेन्ट कर्नल हिमानी शर्मा
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: शिक्षा अधिकारी
	कार्यालय का पता	: 1, एस.टी.सी. (सिगनल एवं प्रशिक्षण केन्द्र, मिलिट्री हॉस्पिटल के पास, जबलपुर-482001
	ई-मेल	: deepikasinghvishu09@gmail.com
	दूरभाष	: 0761-
	मोबाइल	: 7898655237
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 04
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 07
11	कार्यालय का नाम	: जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री राजेश शर्मा
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: ब्रिगेडियर
	कार्यालय का पता	: जैक रीफ रेजिमेंटल सेंटर, कैंट, जबलपुर- 482001
	ई-मेल	: katocheducationblock @gmaill.com
	दूरभाष	: 4600036415
	मोबाइल	: 7974981790
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 26
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 1247
12	कार्यालय का नाम	: आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री अनुपमा घेरा
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: सहायक पंजीकार
	कार्यालय का पता	: फ्लोरा हाउस, 46, नेपियर टाउन जबलपुर - 482001
	ई मेल	: jabalpurbench.itat@nic.in
	दूरभाष	: 0761-2450443
	मोबाइल	: 9827533867
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 02
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 08
13	कार्यालय का नाम	: खान सुरक्षा महानिदेशालय जबलपुर क्षेत्र
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री अशोक कुमार
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: खान सुरक्षा निदेशक
	कार्यालय का पता	: प्लाट नं. 1936-1949, जेडीए स्कीम नं.5, जॉय हायर सेकेंडरी के पीछे,विजय नगर, जबलपुर-482002
	ई-मेल	: nz.jbpdgms@gmail.com
	दूरभाष	: 0761-2640365
	मोबाइल	: 7588513640
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 02
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 05
14	कार्यालय का नाम	: भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री दीपक हाजरा
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: निदेशक
	कार्यालय का पता	: संजीवनी नगर, गढ़ा मार्ग, जबलपुर-482001
	ई-मेल	: hoo.sump.jbp@gsi.gov.in
	दूरभाष	: --------
	मोबाइल	: 9433057069
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 48
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 12
15	कार्यालय का नाम-	: क्षेत्रीय कार्यालय,भारतीय खान ब्यूरो
	कार्यालय प्रमुख का नाम-	: श्री पुखराज नेणिवाल
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: क्षेत्रीय खान नियंत्रक
	कार्यालय का पता	: योजना क्र. 11, कमला नेहरू नगर, जबलपुर-482003
	ईमेल	: ro.jabalpur@ibm.gov.in
	दूरभाष	: 0761-2416389
	मोबाइल	: 9663875407
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 09
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 12
16	कार्यालय का नाम	: नेशनल फर्टीलाइजर्स लिमिटेड
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री रियाज खान
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: क्षेत्रीय प्रबंधक
	कार्यालय का पता	: क्षेत्रीय कार्यालय, 642/ए, राइट टाउन, स्टेडियम गेट नं. 1 के पास,जबलपुर, 482001
	ई-मेल	: nflaojabalpur@gmail.com
	दूरभाष	: 0761-
	मोबाइल	: 9877615105
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 01
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 02

हिंदी प्रचार का उद्देश्य केवल यही है कि जो काम आज अंग्रेजी से लिया जा रहा है वह आगे चलकर हिंदी से लिया जाये- सुभाष चंद्र बोस

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

17	कार्यालय का नाम	: हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. एलपीजी क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री अरविन्द मिश्रा
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: क्षेत्रीय प्रबंधक
	कार्यालय का पता	: गंगोत्री अपार्टमेंट, गोल बाजार, शहीद स्मारक, जबलपुर- 482001
	ई-मेल	: arvindmishra@hpcl.in
	दूरभाष	: 0761-
	मोबाइल	: 9324506523
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 09
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 01
18	कार्यालय का नाम	: भारतीय खाद्य निगम, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री संगीत वर्मा
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: मंडल प्रबंधक
	कार्यालय का पता	: 2722, आशा विकास केन्द्र, नेपियर टाउन, जबलपुर-482001
	ई-मेल	:jabalmp.fci@gov.in
	दूरभाष	: 0761-2623588
	मोबाइल	: 0761-2623588
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 14
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 86
19	कार्यालय का नाम	: दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्रीमती सुधा विजय आत्राम
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी)
	कार्यालय का पता	: 1/1, प्रथम मंजिल, बल्देवबाग चौक जबलपुर- 482002 (म.प्र.)
	ई-मेल	: rd-jabalpur@cbwe.nic.in
	दूरभाष	: 0761-2751756
	मोबाइल	: 7709595674
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 01
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 05
20	कार्यालय का नाम	: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री राकेश सहरावत
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1
	कार्यालय का पता	: स्कीम नं. 5, कृषि उपज मंडी के पास, विजय नगर,जबलपुर-482002
	ई-मेल	: ro.jabalpur@epfindia.gov.in
	दूरभाष	: 0761-2640601
	मोबाइल	: 9999114030
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 06
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 98
21	कार्यालय का नाम	: क्षेत्रीय आयुक्त, कोयला खान भविष्य निधि संगठन, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री आर.एस. कश्यप
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: क्षेत्रीय आयुक्त-II
	कार्यालय का पता	: शक्ति नगर, गुप्तेश्वर, जबलपुर-482001
	ई-मेल	: jabalpur@cmpfo.gov.in
	दूरभाष	: 0761-2422896, 2420498
	मोबाइल	: 8839639113
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 01
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 28
22	कार्यालय का नाम	: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. शाखा विक्रय कार्यालय, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री राहुल तनेजा
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: शाखा प्रबंधक
	कार्यालय का पता	: 500, मढ़ाताल, जबलपुर-482002
	ई-मेल	: bmjab@sail.in
	दूरभाष	: 0761-2480682
	मोबाइल	: 8427368866
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 03
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 03
23	कार्यालय का नाम	: 29 वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री महेन्द्र प्रताप
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: सेनानी
	कार्यालय का पता	: 29वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, जमतरा कैम्प, पो.- गौर जबलपुर-482021 (मध्य प्रदेश)
	ई मेल	: itcell29thbn@itbp.gov.in
	दूरभाष	: 0761-2930022
	मोबाइल	: 0761-2930125
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 21
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 1200
24	कार्यालय का नाम	: केन्द्रीय विद्यालय उ.व.अ.सं. जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री प्रवीण नायडू
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: प्राचार्य
	कार्यालय का पता	: केन्द्रीय विद्यालय, उ.व.अ.सं. पो.आ. आर.एफ.आर.सी., मण्डला रोड, जबलपुर-482021
	ई-मेल	: tfrijabalpurkv@gmail.com
	दूरभाष	: 0761-2840480
	मोबाइल	: 9997149349
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 01
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	:19

राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की एकता और उन्नति के लिए आवश्यक है- महात्मा गांधी

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

25	कार्यालय का नाम	: पी. एम. श्री केंद्रीय विद्यालय 1एस.टी.सी., जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री पी.बी. पांडेय
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: प्राचार्य
	कार्यालय का पता	: केंद्रीय विद्यालय 1 एस.टी.सी. केंट एरिया, जबलपुर - 482001
	ई मेल	: 1stcs1jbp@kvsrojabalpur.in
	दूरभाष	: 0761 - 2931011
	मोबाइल	: 9407765300
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 01
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 54
26	कार्यालय का नाम	: पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय सीएमएम, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री अनुपम शुक्ला
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: प्राचार्य
	कार्यालय का पता	: केंद्रीय विद्यालय, सीएमएम, लेखा नगर, रिज रोड, जबलपुर - 482001
	ई-मेल	: cmmjbp@kvsrojabalpur.in
	दूरभाष	: 0761-2601703
	मोबाइल	: 7987714335
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 03
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 35
27	कार्यालय का नाम	: अनुविभागीय अभियंता कार्यालय केन्द्रीय जल आयोग, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री रोहित चौरसिया
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: सहायक अधिशासी अभियंता
	कार्यालय का पता	: अनुविभागीय अभियंता कार्यालय ऊपरी नर्मदा उपमंडल, केन्द्रीय जल आयोग, टाईप -1, 37-40, सर्वे ऑफ इंडिया कालोनी, विजय नगर जबलपुर-482002
	ई-मेल	: sde_cwcjabalpur@rediffmail.com
	दूरभाष	: 0761-2643573
	मोबाइल	: 9039007448
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 01
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 03
28	कार्यालय का नाम	: कार्यपालक अभियंता केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग,जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री विश्वजीत सरकार
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: कार्यपालक अभियंता
	कार्यालय का पता	: कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय मंडल, के.लो.नि.वि.टाईप-IV क्वा.नं.3-4 सर्वे ऑफ इंडिया कॉलोनी, विजय नगर, जबलपुर-482002
	ई-मेल	: eejabalpurdivn@gmail.com
	दूरभाष	: 0761-2642247, 2642248
	मोबाइल	: 9425832796
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 06
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 08
29	कार्यालय का नाम	: भारतीय खेल प्राधिकरण खेल प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री कुलदीप सिंह बरार
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: केन्द्र प्रभारी
	कार्यालय का पता	: रानीताल खेल परिसर, रानीताल जबलपुर-482002
	ई-मेल	: saistcjbp@yahoo.in
	दूरभाष	: 0761-2440890
	मोबाइल	: 9479642424
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 01
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 07
30	कार्यालय का नाम	: रेल डाक सेवा, जेबी मंडल, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री कृष्ण कुमार अवस्थी
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: अधीक्षक
	कार्यालय का पता	: अधीक्षक रेल डाक सेवा, जेबी मंडल, जबलपुर-482001
	ई-मेल	: rmsdojb.mp@indiapost.gov.in
	दूरभाष	: 0761-2622808
	मोबाइल	: 0761-2622808
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 04
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 209
31	कार्यालय का नाम	: छावनी अधिशासी अधिकारी छावनी परिषद, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री अभिमन्यु सिंह
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: मुख्य अधिशासी अधिकारी
	कार्यालय का पता	: छावनी परिषद, कार्यालय, जबलपुर-482001
	ई-मेल	: ceo.cbjabalpur@gmail.com
	दूरभाष	: 0761-2620167
	मोबाइल	: 0761-2623872
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 01
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 31
32	कार्यालय का नाम	: स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (भं) केन्द्रीय आयुध भंडार, जबलपुर
	कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री सरोज बी.एन. सिंह
	कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: वरिष्ठ लेखा अधिकारी
	कार्यालय का पता	: स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (भं), केन्द्रीय आयुध भंडार, जबलपुर-482001
	ई-मेल	: laocodjbp.dad@hub.nic.in
	दूरभाष	: 0761-2431010
	मोबाइल	: 9091298685
	कार्यरत अधिकारियों की संख्या	: 03
	कार्यरत कर्मचारियों की संख्या	: 09

भारतीय भाषा नदियां है और हिंदी महानदी- रविन्द्र नाथ ठाकुर

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

33 कार्यालय का नाम : 506 आर्मी बेस वर्कशाप कार्यालय प्रमुख का नाम : ब्रिगेडियर आलोक सिंह कार्यालय प्रमुख का पदनाम : कमाण्डेंट एण्ड एम.डी. कार्यालय का पता : 506, आर्मी बेस वर्कशाप, जबलपुर-482001 ई मेल : sumitkumarroyofficial@gmail.com दूरभाष : 2330421/6800 मोबाइल : 7566595604 कार्यरत अधिकारियों की संख्या : 18 कार्यरत कर्मचारियों की संख्या : 635	34 कार्यालय का नाम : हिंदी शिक्षण योजना कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री घनश्याम प्रसाद नामदेव कार्यालय प्रमुख का पदनाम : सहायक निदेशक कार्यालय का पता : गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, हिंदी शिक्षण योजना, 1005, नव आदर्श कालोनी, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर-482002 ई-मेल : chti1065@nic.in दूरभाष : 0761-2450432 मोबाइल : 9703239649 कार्यरत अधिकारियों की संख्या : 01 कार्यरत कर्मचारियों की संख्या : 00
35 कार्यालय का नाम : इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड जबलपुर मंडल, जबलपुर कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री सुनील विक्रम सिंह कार्यालय प्रमुख का पदनाम : उप महाप्रबंधक कार्यालय का पता : द्वितीय मंजिल, ब्लाक नं. 9, सिविक सेंटर, मढ़ाताल, जबलपुर-482002 ई मेल : sunil_sv@indianoil.in मोबाइल : 9443336642 कार्यरत अधिकारियों की संख्या : 19. कार्यरत कर्मचारियों की संख्या : 07	36 कार्यालय सहायक लेखा अधिकारी गैरीजन इंजीनियर (प्रोजेक्ट) खमरिया जबलपुर जबलपुर-482005
37 स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी स्थानीय लेखा परीक्षा कार्यालय 506, आर्मी बेस, वर्कशॉप, खमरिया,जबलपुर-482002	38 पीठासीन अधिकारी औद्योगिक श्रम न्यायालय एवं न्यायाधिकरण 1230, गोल बाजार, राइट टाउन जबलपुर - 482002
39 स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (सैन्य) सृजन चौक, सदर केन्ट, जबलपुर-482001	40 कमान अधिकारी सिगनल अभिलेख कार्यालय जबलपुर पो. बा. 5, पचपेढ़ी जबलपुर-482001
41 कमान्डेंट ग्रेनेडियर्स रेजीमेंटल सेंटर जबलपुर-482001	42 क्षेत्रीय लेखा परीक्षा कार्यालय सैन्य अभियंता सेवाएँ जबलपुर-482002
43 कमान्डेंट कॉलेज ऑफ मटेरियल मेंनेजमेंट पो. बा. नं. 3, रिज रोड, पचपेढ़ी जबलपुर-482001	44 उप मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) प्रथम मंजिल, ब्लाक नं. 10, सिविक सेंटर, मढ़ाताल, जबलपुर- 482002
45 मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार निर्माणी रिछाई, जबलपुर - 482001	46 स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी गैरीजन इंजीनियर (पश्चिम) सप्लाई डिपो सदर के पास जबलपुर-482010 (म.प्र.)

हिंदी भाषा एक ऐसी सार्वजनिक भाषा है, जिसे बिना भेदभाव के प्रत्येक भारतीय ग्रहण कर सकता है- मदन मोहन मालवीय

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2023-24 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.	कार्य विवरण	क क्षेत्र	ख क्षेत्र	ग क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1.क क्षेत्र से क क्षेत्र को 100% 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को 100% 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को 65% 4. क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 100% के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को 90% 2. ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को 90% 3. ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 90% के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को 55% 2. ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को 55% 3. ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 55% के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति
2	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय	50%	50%	50%
10	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों की	100%	100%	100%
11	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बार्डो आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	100%	100%	100%
13	(।) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कायालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(।।) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण (।।।) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित निरीक्षण अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम) वर्ष में कम से कम एक	25% (न्यूनतम)
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें			
	(क) हिंदी सलाहकार समिति	वर्ष में 2 बैठकें		
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छ:माही एक बैठक)		
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)		
15	कोड,मैनुअल,फार्म,प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%	100%	100%
16	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंको/उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हों	40%	30% (न्यूनतम अनुभाग) सार्वजनिक क्षेत्र के उन उपक्रमों/निगमों आदि, अनुभाग जैसी कोई अवधारणा नहीं है क क्षेत्र में कुल कार्य का 40% ख क्षेत्र में 25% ग क्षेत्र में 15% कार्य हिंदी में किया जाए।	20%

छायाचित्र वीथिका

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र. 02 जबलपुर की 12 वीं छ :माही बैठक



श्री सुधीर कुमार गुप्ता, तत्कालीन अध्यक्ष नराकास एवं महाप्रबंधक, पमरे का पौधा भेंट कर स्वागत करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पमरे।



बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री सुधीर कुमार गुप्ता, तत्कालीन अध्यक्ष नराकास एवं महाप्रबंधक, पमरे



अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए, श्री सुधीर कुमार गुप्ता, तत्कालीन महाप्रबंधक, पमरे, जबलपुर।



बैठक में उपस्थित समिति सदस्य कार्यालय प्रमुख एवं अन्य अधिकारीगण।



बैठक के दौरान प्रजेन्टेशन देते हुए श्री संदीप श्रीवास्तव निदेशक भारतीय सर्वेक्षण विभाग, म.प्र. भू स्थानिक भू आँकड़ा केन्द्र, जबलपुर



प्रजेन्टेशन का अवलोकन करते हुए श्री सुधीर कुमार गुप्ता, तत्कालीन महाप्रबंधक, पमरे, श्री रवि शंकर सक्सेना, मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पमरे तथा अन्य अधिकारीगण

छायाचित्र वीथिका

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र. 02 जबलपुर की 11 वीं छ:माही बैठक



बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री शोभन चौधुरी,
तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, पमरे



अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए श्री शोभन चौधुरी,
तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, पमरे



सदस्य कार्यालयों को राजभाषा शील्ड प्रदान करते हुए श्री शोभन चौधुरी, तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, पमरे



सदस्य कार्यालयों को राजभाषा ट्राफी प्रदान करते हुए श्री शोभन चौधुरी, तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, पमरे

छायाचित्र वीथिका

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र. 02 जबलपुर की 11 वीं छ :माही बैठक



नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय क्र. 02 की वार्षिक पत्रिका 'सरल' के तृतीय अंक का विमोचन करते हुए
श्री शोभन चौधुरी, तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर एवं सदस्य कार्यालय प्रमुख तथा अन्य अधिकारीगण



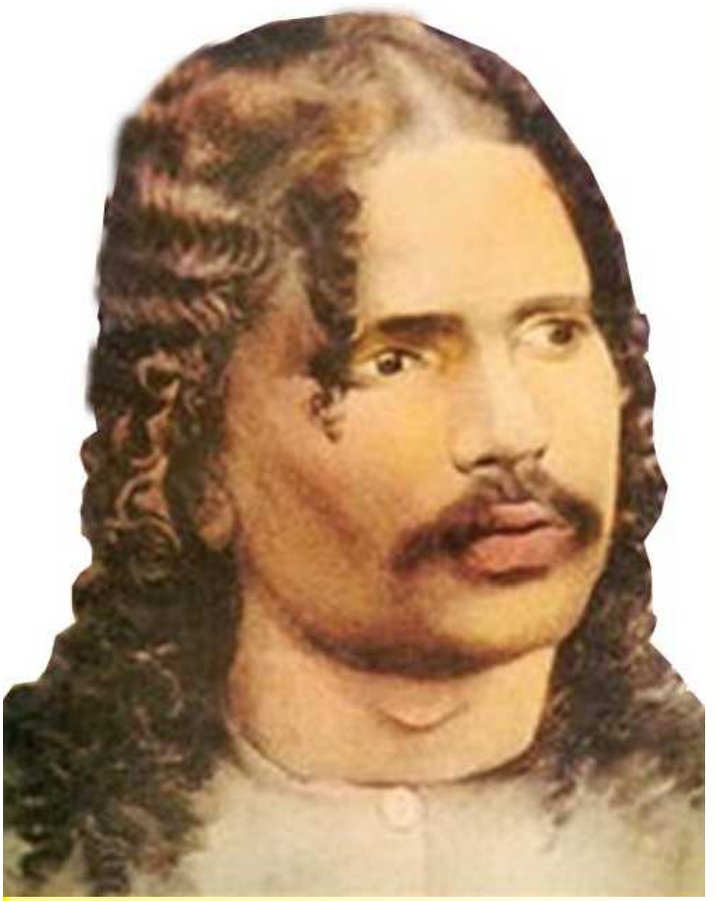


सदस्य कार्यालयों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए श्री शोभन चौधुरी, तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, पमरे





सदस्य कार्यालयों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए श्री शोभन चौधुरी, तत्कालीन अपर महाप्रबंधक, पमरे



भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(1850-1885)

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।

अंग्रेज़ी पढ़ि के जदपि, सब गुन होत प्रवीन
पै निज भाषाज्ञान बिन, रहत हीन के हीन।।

उन्नति पूरी है तबहिं जब घर उन्नति होय
निज शरीर उन्नति किये, रहत मूढ़ सब कोय।।
निज भाषा उन्नति बिना...
निज भाषा उन्नति बिना, कबहुँ न हौहैं सोय।
लाख उपाय अनेक यों भले करो किन कोय।।

इक भाषा इक जीव इक मति सब घर के लोग।
तबै बनत है सबन सों, मिटत मूढ़ता सोग।।

और एक अति लाभ यह, या में प्रगट लखात।
निज भाषा में कीजिए, जो विद्या की बात।।

तेहि सुनि पावै लाभ सब, बात सुनै जो कोय।
यह गुन भाषा और महं, कबहूं नाहीं होय।।



विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार।
सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।

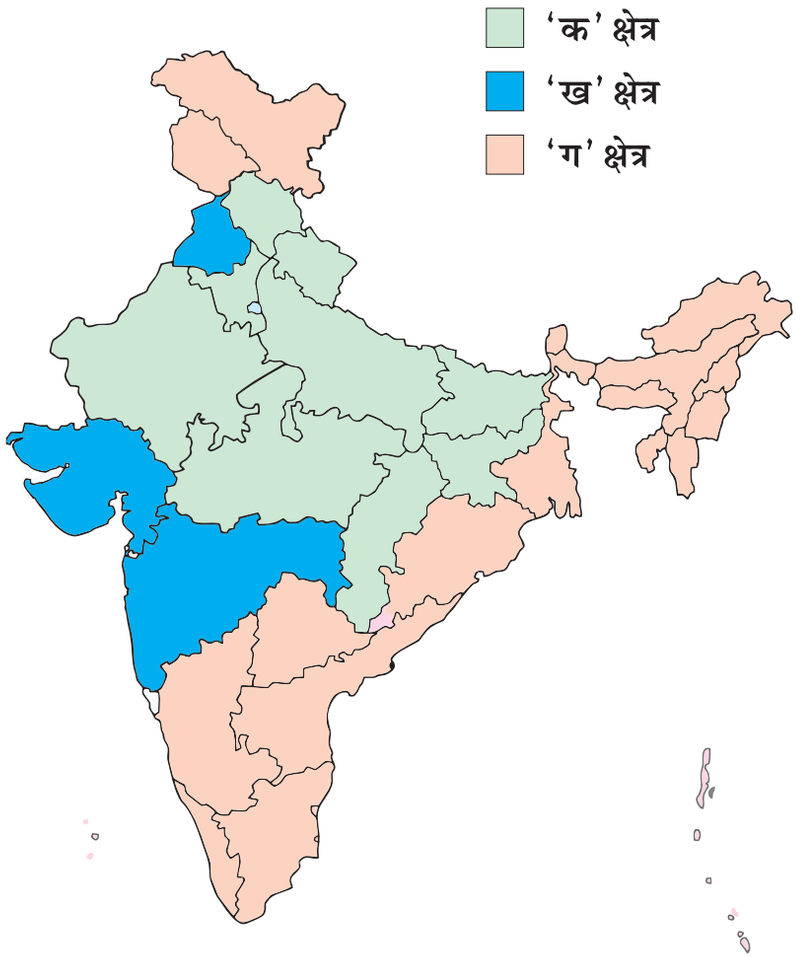
भारत में सब भिन्न अति, ताहीं सों उत्पात।
विविध देस मतहू विविध, भाषा विविध लखात।।

सब मिल तासों छाँड़ि कै, दूजे और उपाय।
उन्नति भाषा की करहु, अहो भ्रातगन आय।।

संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएं

(अनुच्छेद 344 (1) और 351)

1.	असमिया	12.	पंजाबी
2.	उड़िया	13.	बांग्ला
3.	उर्दू	14.	बोडो
4.	कन्नड़	15.	मणिपुरी
5.	कश्मीरी	16.	मराठी
6.	कोंकणी	17.	मलयालम
7.	गुजराती	18.	मैथिली
8.	डोगरी	19.	संथाली
9.	तमिल	20.	संस्कृत
10.	तेलुगु	21.	सिंधी
11.	नेपाली	22.	हिंदी



☞ 14 भाषाओं को संविधान के प्रारंभ में ही आठवीं अनुसूची में शामिल कर लिया गया था।

☞ वर्ष 1967 में सिंधी भाषा को 21वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा और वर्ष 1992 में 71वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया।

☞ वर्ष 2003 में 92वें संविधान संशोधन अधिनियम (वर्ष 2004 से प्रभावी) द्वारा बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया।

हिंदी से किसी भी भारतीय भाषा को भय नहीं है, यह सबकी सहोदरा है- महादेवी वर्मा

मुद्रक- सोलार ऑफसेट, हनुमानताल, जबलपुर-482002